वी.यू. में ''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन'' शीर्षक पर मैनेज संस्थान के सौजन्य से पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर। आज दिनांक 28 सितम्बर 2019 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद (तेलंगाना) के सहयोग से दिनांक 24 सितम्बर 2019 से 28 सितम्बर 2019 तक पाँच दिवसीय मैनेज प्रशिक्षण संचालनालय, विस्तार शिक्षा एवं पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों के 28 पशु चिकित्सकों/पशुचिकित्सा विस्तार अधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही।

आज के प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा प्रशिक्षण का स्वागत उद्‌बोधन डॉ. सुनील नायक, प्रशिक्षण समन्वयक, मैनेज प्रशिक्षण ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुये, अवगत कराया कि इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिये पशुधन स्वास्थ्य एवं उत्पादन से संबंधित आधुनिकत्तम तकनीकी विषयों के 16 सैद्धांतिक एवं 6 व्यहारिक प्रशिक्षणों के साथ पशुधन प्रक्षेत्र, आमानाला तथा अधारताल एवं नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय का भ्रमण कराया, जिससे प्रशिक्षणार्थीयों विश्वविद्यालय में चले रहे शैक्षणिक, अनुसंधान, विस्तार तथा प्रक्षेत्रों पर आधुनिकत्तम तकनीकों का बारीकी से करके सीखकर लाभान्वित हुये।

इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी डॉ. रामकेश यादव एवं डॉ मीनाक्षी पटेरिया ने इस प्रशिक्षण के दौरान हुये अनुभव सभी से साक्षा किये।कार्यक्रम की श्रंखला में माननीय कुलपति जी, द्वारा 28 प्रशिक्षणार्थीयों को **''मैनेज प्रशिक्षण के प्रशस्ति पत्र''** वितरित किये।प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्‌बोधन की श्रंखला में डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर ने कहा कि यह मैनेज प्रशिक्षण कार्यक्रम पशुचिकित्सों के लिये जानवर्धक एवं उपयोगी रहा। आशा है इस प्रशिक्षण से प्रदेश के पशु चिकित्सक लाभान्वित होकर, इसे पशुपालकों के द्वार, अपने–अपने कार्य क्षेत्रों में क्रियान्वित करने का प्रयास करेंगें।

मैनेज प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुये, माननीय कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय ने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थीयों को आव्हान किया कि आपने इस प्रशिक्षण के दौरान शामिल पशुचिकित्सक व विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, पशुपालकों के द्वार तक तकनीकी हस्तांतरण में एक सेतु के रूप में अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा, कर्त्तव्य व दायित्वों को ईमानदारी से समन्वित खेती के माध्यम से पूर्ण करने का प्रयास करेंगे, जिससे प्रदेश व देश के पशुपालक और कृषक लाभन्वित होकर, गौ आधारित खेती से अपनी आय निकट भविष्य में दोगुनी करने में सक्षम हो सकेंगे, तभी हमारे इस प्रशिक्षण की महत्ता व सार्थकता लक्ष्य सिद्धि सफल सिद्व मानी जावेगी।

कार्यक्रम में डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर, डॉ. पी.सी.शुक्ला, डॉ. आर.पी. नेमा, डॉ. नितिन कुमार बजाज, डॉ. अर्पणा रैकवार, डॉ. रश्मि विश्वकर्मा, डॉ. मंजू साहू, श्री विजय चौकसे, श्री आशीष यादव, एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों, स्नात्कोत्तर छात्र–छात्राओं व कर्मचारियों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरि आर, आयोजन सचिव, मैनेज प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा आभार प्रर्दशन डॉ. अनिल कुमार गौर, प्रभारी विभागध्यक्ष, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार विभाग द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)